खण्ड 4:
पिता के रूप में परमेश्वर

परमेश्वर हमारे लिए या तो दयालु पिता होगा
या भस्म करने वाली आग

इस परिवर्तनशील संसार में एक अपरिवर्तनीय परमेश्वर के बारे में कोई कैसे जान सकता है। कई प्रकार से, आधुनिक विकास ने हमारी समझ पर पर्दा ही डाला है।

कई महत्वपूर्ण परिवर्तनों की तरह, हमारे समय के नारी आंदोलन ने बहुत से अन्यायों को समाप्त करने में सहायता देने के साथ-साथ कई बुराइयों को भी जन्म दिया है। बाइबल अध्ययन के क्षेत्र में, नारी आंदोलन उद्धार की थियोलोजी से मिल चुका है जिससे बाइबल के कुछ आश्चर्यजनक तथा अचम्भित करने वाले ''अनुवाद'' हुए हैं। उदाहरण के लिए, अंग्रेज़ी का NRSV अनुवाद कुछ अधिक सतर्क होकर किया गया है। यह तो स्पष्ट है कि इसके अनुवादकों ने बाइबल को परमेश्वर के वचन के रूप में माना; परन्तु उन्होंने बार-बार यूनानी शब्द *adelphoi* का अनुवाद ''brothers and sisters भाइयो और बहनो'' किया है जबकि इसका अर्थ ''brethren'' अर्थात भाइयो है। जहां पर सामान्य शब्द *adelphoi* में ''बहनों'' शब्द शामिल है वहां पर कोई हैरान हो सकता है कि इन अनुवादकों ने *पवित्र शास्त्र में* ''भाइयो और बहनो'' शब्द क्यों डाला जबकि *एक पादटिप्पणी में* यह भी कह दिया कि यूनानी शास्त्र में इसका अर्थ ''भाइयो'' है। क्या अनुवाद में वही बात नहीं होनी चाहिए जो मूल शास्त्र में कही गई है और पादटिप्पणियों में केवल उसका भावानुवाद या व्याख्या ही हो? NRSV की भूमिका के एक पद में व्याख्या के बावजूद, मुझे लगता है कि अनुवादक बाइबल अध्ययन के समय की जलवायु तक पहुंच गए हैं और एक उत्कृष्ट कार्य पर उन्होंने दाग लगा दिया है।

ये टिप्पणियां पाठक को इस तथ्य से सचेत करने के लिए की गई हैं कि ''लिंग'' परमेश्वर के पिता होने की किसी भी चर्चा में एक विषय बन चुका है। बीते समयों में ऐसी

कोई समस्या नहीं थी। अब जबकि उदारवादी धर्म शास्त्रियों तथा नारी आंदोलन द्वारा परमेश्वर के लिए ''पिता'' और अन्य ''लिंग'' सम्बन्धी शब्दों के विलक्षण उपयोग का विरोध किया जाता है, तो इस मुद्दे की जांच करनी ही सही है।[1]

इन बातों को मन में रखकर, हम ''पिता'' के रूप में परमेश्वर को देखेंगे कि उसके बच्चों में से प्रत्येक के लिए उससे सम्बन्ध बनाए रखना कितना आवश्यक है।

पाद टिप्पणियां

[1]यदि किसी को इस मुद्दे की गंभीरता पर संदेह हो तो वह नेशनल काउंसिल ऑफ़ चर्चज़ के संरक्षण में बनी द *इन्कल्यूसिव लैंगुएज लेक्शनरी* पढ़ें। बैरी होबरमैन, ''ट्रांस्लेटिंग द बाइबल,'' द *अटलांटिक मंथली* 255 (फरवरी 1985): 43-58, विशेषतया 56-58 भी देखें।